कला, विज्ञान, वा… (B++) प्रत्यायित संस्था

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका:जून-2023

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website : www.dnpgcollege.edu.in **Helpline Email** : dnpgonline@gmail.com

Office Email : dnpggkp@gmail.com **Contact Number** : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

दिगंत-ई-पत्रिका:जून-2023

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह

अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह,प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

June-2023

कार्यक्रम विवरण-

क्र.सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1.	19.06.2023 सोमवार	कम्प्यूटर विज्ञान	सम्मान समारोह	1
2.	21.06.2023 बुधवार	महाविद्यालय	अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम	2
3.	22.06.2023 वृहस्पतिवार	महाविद्यालय	आई.क्यू.ए.सी. की समीक्षा बैठक	3
4.	22.06.2023 वृहस्पतिवार	महाविद्यालय	ऑनलाइन सप्तदिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेन्ट प्रोग्राम का उद्घाटन	3–4
5.	23.06.2023 शुक्रवार	महाविद्यालय	ऑनलाइन सप्तदिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेन्ट प्रोग्राम का द्वितीय दिवस	4–5
6.	24.06.2023 शनिवार	महाविद्यालय	ऑनलाइन सप्तदिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेन्ट प्रोग्राम का तृतीय दिवस	5
7.	25.06.2023 रविवार	महाविद्यालय	ऑनलाइन सप्तदिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेन्ट प्रोग्राम का चतुर्थ दिवस	6
8.	26.06.2023 सोमवार	महाविद्यालय	ऑनलाइन सप्तदिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेन्ट प्रोग्राम का पंचम दिवस	7
9.	27.06.2023 मंगलवार	महाविद्यालय	ऑनलाइन सप्तदिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेन्ट प्रोग्राम का षष्ठम दिवस	7–8
9.	28.06.2023 बुधवार	महाविद्यालय	ऑनलाइन सप्तदिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेन्ट प्रोग्राम समापन	8

June-2023

शैक्षिणक क्षेत्र में वरदान साबित होगा सुभाषिनी सॉफ्टवेयर

दिनांक 19.06.2023 को महाविद्यालय के शिक्षक डॉ पवन कुमार पाण्डेय, कट एज टेक्नोलॉजी एंड सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्री देवेश कुमार रौनियार के साथ मिलकर डॉक्युमेंटेशन के क्षेत्र में सुभाषिनी सॉफ्टवेयर डेवलप कर रहे हैं जो शैक्षणिक क्षेत्र में वरदान साबित होगा। इस सॉफ्टवेयर का लाभ विश्वविद्यालय एवं कॉलेज के शिक्षक,विद्यार्थी और रिसर्च स्कॉलर ले सकते हैं। ये सॉफ्टवेयर जुलाई माह में लॉन्च हो जायेगा। इसकी विशेषता होगी की वर्ड, एक्सेल, पावरप्वाइंट एवं पीडीएफ डॉक्यूमेंट्स को कंप्रेस, ऑर्गनाइज एवं कन्वर्ट किया जा सकता है। इस हेतु ऑनलाइन कई सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं परंतु साइज एवं क्वालिटी के अनुसार उनकी कुछ सीमाएं हैं । ये सॉफ्टवेयर असीमित सुविधाओं के साथ सभी के लिए उपलब्ध होगा। यह केवल शैक्षणिक संस्थाओं में ही नहीं प्राइवेट एवं गवर्नमेंट स्तर पर कार्य करने वाली संस्थाएं भी इस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर अपना कार्य कर सकती हैं।

श्री देवेश कुमार जी निदेशक कट एज टेक्नोलॉजी एंड सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने कहा की यह हमारी संस्था के लिए भी गौरव का पल है दिग्विजयनाथ कॉलेज के साथ मिलकर हम एक ऐसा सॉफ्टवेयर डेवलप कर रहे हैं जो सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन लायेगा।

June-2023

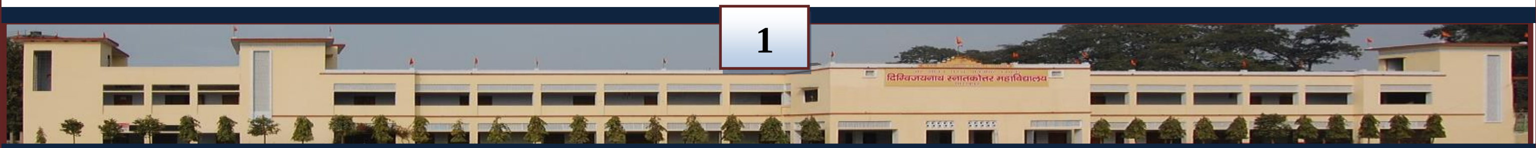

9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

दिनांक 21.06.2023 को **महाविद्यालय के दिग्विजयनाथ स्मृति सभागर में 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया जिसका ऑनलाइन प्रसारण महाविद्यालय के फेसबुक पेज पर भी किया गया।**

योग शिविर का शुभारंभ करते हुए महाविद्यालय के मुख्य नियन्ता प्रो. धीरेन्द्र सिंह, प्राचीन इतिहास विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की प्रासंगिकता, उसके महत्व, योग की जीवन में उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज का दिन उस प्राचीन प्रथा को समर्पित है जिसने दुनिया भर के लाखों लोगों के बीच सद्भाव और कल्याण लाने के लिए सीमाओं को पार कर लिया है।

इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयं सेविकाएं, राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स, रोवर्स/रेंजर्स एवम शारीरिक शिक्षा व खेल से जुड़े विद्यार्थियों के साथ ही महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकगण एवम कर्मचारीगण ने योग प्रोटोकॉल का अभ्यास किया। ऑनलाइन माध्यम से भी 1536 लोगों ने जुड़कर योग प्रशिक्षण से लाभान्वित हुए।

आई.क्यू.ए.सी.की समीक्षा बैठक

दिनांक 22.06.2023 गोरखपुर। महाविद्यालय के सत्र 2022–23 की आई.क्यू.ए.सी.के कार्यो की समीक्षा की गयी जिसमें आई.क्यू.ए.सी. के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

सप्तदिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ

दिनांक 22.06.2023 को महाविद्यालय एवं साइंस टेक इंस्टीटूट लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में जूम एप के माध्यम से सप्तदिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र संरक्षक प्रो. उदय प्रताप सिंह अध्यक्ष महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश एवं सह संरक्षक एवं प्रो. ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य दिग्विजयनाथ पी.जी कॉलेज गोरखपुर ने इस साप्ताहिक कार्यक्रम को सफल होने के लिए शुभकामना दी। एफ.डी.पी के प्रथम दिन जे.एन.यू के स्कूल आफ सोशल साइन्स में स्टैटिक्स के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मनोज कुमार ने डाटा एनालिसिस टेक्निकस इन रिसर्च विषय पर व्याख्यान दिया जिसमें उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों के शोध कार्य से सम्बन्धित आँकड़ों के विश्लेषण में प्रयोग किये जाने वाले सांख्यकीय विधियों के बारे में विस्तार से चर्चा की।

June-2023

कार्यक्रम का संयोजन सह संयोजक डॉ सुशील कुमार सिंह, साइंस टेक इंस्टीट्यूट लखनऊ, आयोजन सचिव डॉ. धर्मेंद्र कुमार यादव, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ ऐंड फैमिली वेल्फेयर अंडर द मिनिस्ट्री ऑफ फैमिली वेल्फेयर नई दिल्ली द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक प्रो. परीक्षित सिंह ने सभी अतिथियों सहित प्रतिभागियों के प्रति आभार ज्ञापन किया। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक, अन्य महाविद्यालयों के शिक्षक सहित 300 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया।

सप्तदिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का द्वितीय दिवस

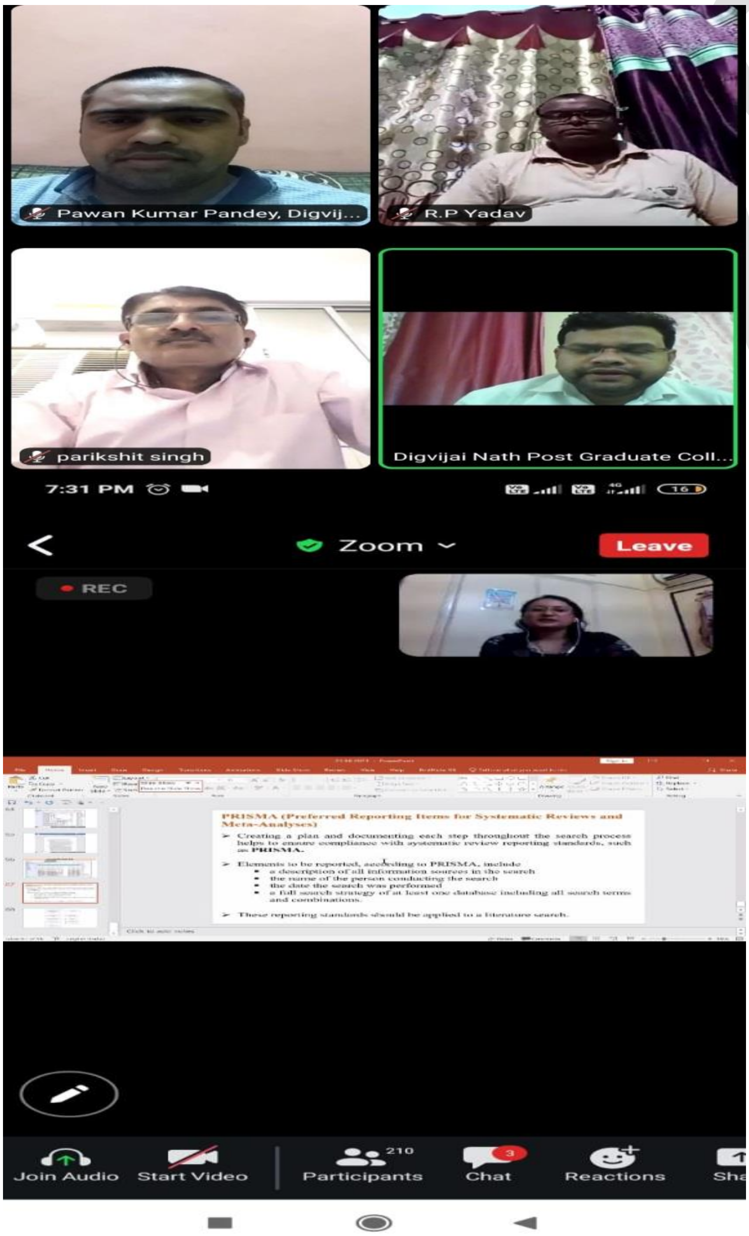

दिनांक 23.06.2023 को महाविद्यालय एवं साइंस टेक इंस्टीटूट लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित ऑनलाइन सप्तदिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के दूसरे दिन मुख्य वक्ता डॉ. प्रणीता प्रधान, पीजीआई, चंडीगढ़ ने **'अनुसंधान में व्यवस्थित समीक्षा'** विषय पर बोलते हुए कहा कि अनुसंधान प्राथमिक अध्ययनों का एक अवलोकन है जिसमें उद्देश्यों, सामग्रियों और विधियों का एक स्पष्ट विवरण शामिल है, और स्पष्ट और प्रतिलिपि प्रस्तुत करने योग्य पद्धति के अनुसार आयोजित किया गया है।

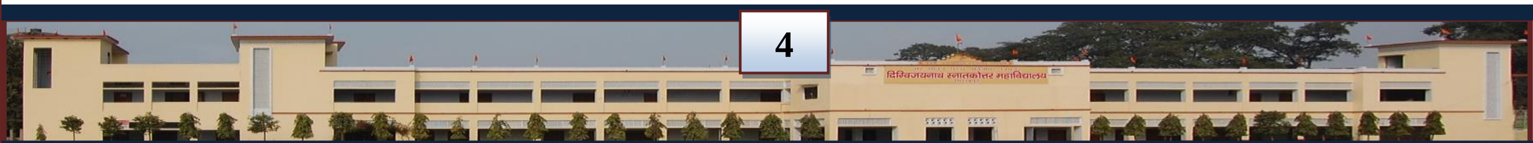

कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ धर्मेंद्र यादव, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ ऐंड फैमिली वेल्फेयर अंडर द मिनिस्ट्री ऑफ फैमिली वेल्फेयर, नई दिल्ली ने किया, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह, ने अतिथियों सहित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर परीक्षित सिंह, कोऑर्डिनेटर, आईक्यूएसी ने सभी के प्रति आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम की अध्यक्ष श्रीमती श्वेता सिंह (चौयरमेन मनराज कुंवर सिंह एजूकेशनल सोसाइटी) लखनऊ, सह संयोजक डॉ सुशील कुमार सिंह, साइंस टेक इंस्टीट्यूट लखनऊ, सह आयोजन सचिव डॉ राजीव रत्न सिंह, डॉ राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस लखनऊ, महाविद्यालय के शिक्षक,अन्य महाविद्यालयों के शिक्षक सहित 289 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

सप्तदिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का तीसरा दिन

दिनांक 24.06.2023 को ऑनलाइन सप्तदिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के तीसरे दिन मुख्य वक्ता डॉ राधा सैनी, सलाहकार, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने ''शोध में प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के अध्ययन डिज़ाइन एवं उनका उपयोग'' पर बोलते हुए कहा कि 'डिजाइन' शब्द के विभिन्न अर्थ हैं। लेकिन, विषय की चिंता के संबंध में, यह एक पैटर्न या अनुसंधान परियोजना के कामकाज की रूपरेखा है। यह एक अध्ययन के आवश्यक तत्वों का विवरण है जो परियोजना के संचालन के बुनियादी दिशानिर्देश प्रदान करता है।

ऑनलाइन सप्तदिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का चौथा दिन

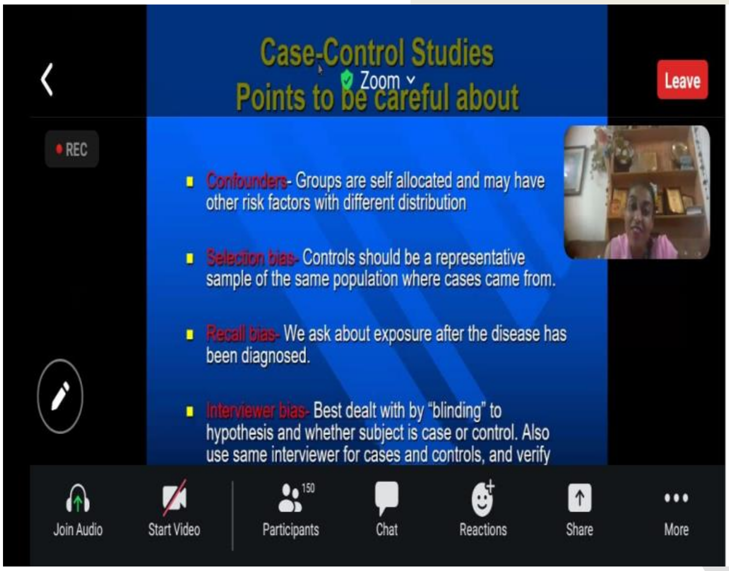

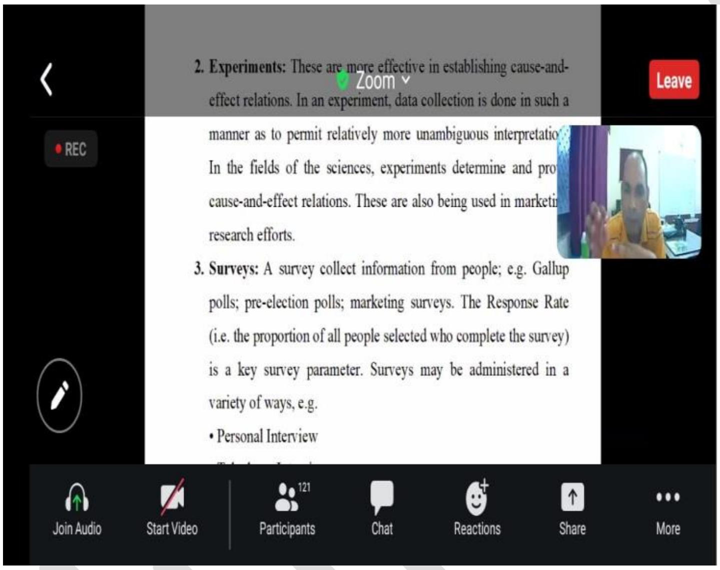

दिनांक 25–06–2023 को ऑनलाइन सप्तदिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के चौथे दिन मुख्य वक्ता डॉ एस. के. यादव, एसोसिएट प्रोफेसर, सांख्यिकी विभाग, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ ने 'डेटा संग्रह के उपकरण' विषय पर बोलते हुए कहा कि डेटा संग्रह के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरण और तकनीक उन तंत्रों और उपकरणों को संदर्भित करते हैं जिनके माध्यम से शोधकर्ता या संगठन डेटा एकत्र करते हैं। डेटा दो प्रकार के होते हैं, मात्रात्मक और गुणात्मक। इन दो श्रेणियों को अलग करने वाला प्रमुख कारक यह है कि मात्रात्मक डेटा को संख्यात्मक मात्राओं के रूप में हेरफेर या एकत्र किया जा सकता है जबकि गुणात्मक डेटा नहीं किया जा सकता है, वे आमतौर पर श्रेणीबद्ध चर को व्यक्त करते हैं।

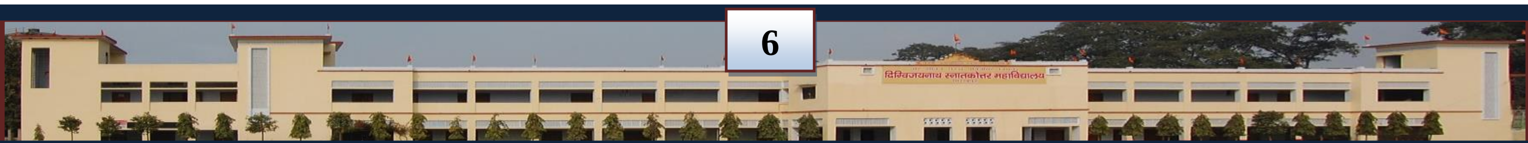

सप्तदिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का पाँचवा दिन

दिनांक 26.06.2023 को ऑनलाइन सप्तदिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के पांचवे दिन मुख्य वक्ता डॉ स्मिता अस्थाना, वरिष्ठ वैज्ञानिक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एवं रिसर्च इंस्टीट्यूट

(NICPR), नोएडा ने 'व्यवस्थित समीक्षा और मेटा विश्लेषण' विषय पर बोलते हुए कहा कि व्यवस्थित समीक्षा और मेटा–विश्लेषण को किसी शोध विषय पर उच्चतम गुणवत्ता वाले साक्ष्य माना जाता है क्योंकि उनका अध्ययन डिजाइन पूर्वाग्रह को कम करता है जिससे अधिक विश्वसनीय निष्कर्ष निकलता है।

ऑनलाइन सप्तदिवासिय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का छठवां दिन

दिनांक 27.06.2023 को आयोजित ऑनलाइन सप्तदिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के छठवें दिन मुख्य वक्ता प्रो डी.एस. हुड्डा, पूर्व प्रति उपकुलपति, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय एवं अध्यक्ष, भारतीय गणित परिषद ने **''शिक्षा में शिक्षण का महत्व और नैतिकता''** विषय पर बोलते हुए कहा की शिक्षा एक प्रक्रिया है। शिक्षा के द्वारा बालक का बौद्धिक विकास होता है। यह बालक के

सामाजिक विकास में उसकी सहायता करती है, किन्तु नैतिक शिक्षा बालक के व्यवहार में परिवर्तन लाती है। बालक के व्यवहार में यह परिवर्तन देश तथा समाज के लिए अति आवश्यक है। यदि नैतिक शिक्षा की अवहेलना की जाती है तो बालक का चारित्रिक विकास रुक जाता है। शिक्षा एक सामाजिक विकास की प्रक्रिया है। व्यक्ति एक सामाजिक प्राणी है तथा उसे समाज में ही अपना जीवन व्यतीत करना होता है, अतः नैतिक शिक्षा के द्वारा बालक का सामाजिक विकास, संवेगात्मक, नैतिक एवं सर्वांगीण विकास सम्भव होता है तथा उसका दृष्टिकोण उदार होता है।

ऑनलाइन सप्तदिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का सातवें दिन : समापन सत्र

दिनांक 28.06.2023 को ऑनलाइन सप्तदिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के सातवें दिन समापन सत्र में मुख्य वक्ता डॉ यूसुफ अख्तर, असिस्टेंट प्रोफेसर, बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग, बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, ने 'लेखन कौशल और शोध पत्र प्रकाशन' विषय पर बोलते हुए कहा कि वर्तमान ज्ञान के संदर्भ में शोध प्रश्न प्रस्तुत करने से लेकर आपके निष्कर्षों की व्याख्या करने तक, शोध लेखन का एक स्नैपशॉट दिया गया है। दूसरे शब्दों में, सामान्य से विशिष्ट की ओर, फिर विशिष्ट से सामान्य की ओर बढ़ना। एक सावधान और नेक इरादे वाला लेखक बनना महत्वपूर्ण है।